Nandikrita Shiva Stuti

नन्दीकृता शिवस्तुतिः

Document Information

Text title : Nandikrita Shiva Stuti

File name : nandIkRRitAshivastutiH1.itx

Category : shiva, shivarahasya, stuti

Location : doc_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | shivAkhyaH chaturthAMshaH | adhyAyaH 5 | 11-28||

Latest update : August 20, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

August 20, 2023

sanskritdocuments.org

नन्दीकृता शिवस्तुतिः

जयान्धकान्तक मखपुरस्मरगजान्तक ।
जय षण्मुख विघ्नेश सुन्दरस्मित सन्मुख ॥ ११॥

जय प्रणवनादादिवेदान्तवचनातिग ।
जय विश्वाधिकाशास्य धनवाहाघभेदक ॥ १२॥

जय धीरतरामेय पन्नगा कल्पसच्छद ।
जय कल्पाणशैलोद्यरिवाण महाभुज ॥ १३॥

जय झङ्कारफूत्कारकृताहीश्वरसिञ्जित ।
जय विश्वजनाधार चन्द्रचूड चराचर ॥ १४॥

जय टङ्कमहाहस्तनृत्यद्रङ्गमहानट ।
जय नृत्यप्रभग्नोरुधराधोत्थितकामठ ॥ १५॥

जयाहीशमणीजालफणाविश्राणिताम्बर ।
जय मन्दरकैलासमौलिसञ्चारपावित ॥ १६॥

जय त्रिदशकार्योद्यन्नेत्रोज्वलितमन्मथ ।
जय कामद कालारे भक्तशैवजनाधिप ॥ १७॥

जय दीनदयापार गणवीर धनाधिप ।
जय मन्दारसन्तान पारिजात सुचन्दन ॥ १८॥

जप भूनभरापार दिग्गजाधिप देवप ।
जय पावितलोकादे फणीश फणमौलिक ॥ १९॥

जय विश्वजनोद्बोध बन्धहृद्द्वन्धकारक ।
जय भद्रद भस्माङ्ग जगद्धरणतत्पर ॥ २०॥

जय मायामयातीत मातृमानविवर्जित ।
जय यन्त्रपराजय्य यजमानहराव्यय ॥ २१॥

जय रात्रिचराक्षय्य महेश शिवशङ्कर ।
जय विश्वविधानादिविनाशन महानल ॥ २२॥

जय साममहानन्दस्तोभसम्भवहर्षित ।
जय शम्भो शिवामेय शमनान्तकर प्रभो ॥ २३॥

जय दोषविषाकारदग्धदेवाभयप्रद ।
जय सर्वसुराधीश सर्वज्ञ परमेश्वर ॥ २४॥

जय हेतिधरापार हरहन्तहनाहन ।
जय ब्रह्म महाक्षेत्रसम्मक्षाध्वरशिक्षक ॥ २५॥

मदनदमन शम्भो कालकाल प्रसीद
मधुमथनकटाक्षेद्धूतपादाब्ज शम्भो ।
वरघरगिरिकन्यानायकावाद्यमुग्ध
त्वयि सदय घनाब्धौ कामिता कामिताऽनः ॥ २६॥

द्विरदानन तात वीतशोक मुरजम्भान्तकमौलिवन्द्यपाद ।
पुरवर्गानलनेत्रपालिकीलानलतूलायितकाम कामिताङ्ग ॥ २७॥

मदमुदिनकरेणुयूथनाथोद्धृतचर्माम्बर साक्षिफल शम्भो ।
गलतरलगल प्रसीद विश्वाधिक कालान्तक पाहि मामनाथम् ॥ २८॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते शिवाख्ये नन्दीकृता शिवस्तुतिः सम्पूर्णा ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । शिवाख्यः चतुर्थांशः । अध्यायः ५ । ११-२८॥

- .. shrIshivarahasyam . shivAkhyaH chaturthAMshaH . adhyAyaH 5 . 11-28..

Notes: Nandī नन्दी eulogises Śiva शिव when He appears, following Nandī's penance.

Proofread by Ruma Dewan

Nandikrita Shiva Stuti

pdf was typeset on August 20, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*